महत्वपूर्ण एवं खास

उड़ीसा के मजदूर पैदल घर के लिए हुए रवाना

दंतेवाड़ा,(आरएनएस)। कोरोना वैश्विक महामारी के कारण जनता घर पर रहने को मजबूर है। सरकार सभी के लिए अनाज की व्यवस्था कर रही है लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो इससे वंचित हैं। बाहर से आये हुए मजदूरों का ना घर का ठिकाना ना खाने का ठिकाना करें भी तो क्या करें दरअसल, ऐसा ही कुछ नजारा कावड़गांव से दंतेवाड़ा रोड पर आज देखा गया, जहां पेट की भूख के चलते उड़ीसा के मजदूर पैदल ही घर को निकल पड़े। उड़ीसा जाने के लिए पैदल सभी मजदूर ने बताया कि वे डुमाम रेलवे में काम करते थे और ठेकेदार ने लॉक डाउन के बाद कुछ दिन तो खाना दिया लेकिन बाद में खाना देना बंद कर दिया। मजदूर पैदल ही अपने घर जाने के लिए मजबूर हो गये। भले ही आज पूरा भारत देश कोरोना जैसे महामारी के चपेट में है लेकिन इन मजदूरों का हाल देख गरीबी की वह परिस्थिति समझ में आती है। इनके लिए एक तरफ बीमारी है, दूसरी तरफ वह भूखे मर जाएंगे।

लॉकडाउन प्रभावित 33 लोगों को घर के लिए किया गया रवाना

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पहल पर जिला प्रशासन जांजगीर-चांपा द्वारा कोरोना संकट के कारण लॉकडाउन से प्रभावित जिले के शेल्टर होम में आश्रय पाए छत्तीसगढ़ के 33 प्रभावितों को उनके स्वास्थ्य की जांच कराई गई और उन्हें वाहनों की व्यवस्था कर उनके गृह जिले के लिए रवाना किया गया। लॉकडाउन के कारण जांजगीर-चांपा जिले के जांजगीर, सक्ति और चांपा के शेल्टर होम में छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों के लोगों को ठहराया गया था। जिसमें कोण्डागांव के 7, जशपुर के 6, रायगढ़ के 12, कोरबा के 5, मुंगेली, बिलासपुर और महासमुंद के एक-एक शामिल थे।चांपा एस डी एम बजरंग दुबे द्वारा रायगढ़ जिले के 3 शिविरार्थियों को दवा किट, एक सप्ताह के लिए राशन, पेयजल और नाश्ता उपलब्ध कराया गया और उनके स्वास्थ्य की जांच कराई गई और वाहन से रवाना किया गया ।ज्ञातव्य है कि कोविद-19 को नियंत्रित करने लागू लॉकडाउन में जांजगीर-चांपा जिले के उक्त शिविरों में आश्रय पाए लोगों के लिए भोजन आवास, चिकित्सा और सेनेटाइजर, मास्क के साथ-साथ मनोरंजन की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई। सभी को घर जैसी सुविधाएं मुहैया कराई गई।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद राजस्थान में प्रदेश के छात्रों की वापसी के लिए बसें रवाना

रायपुर, (आरएनएस)। कोटा-राजस्थान में पढ़ाई करने गए प्रदेश के छात्र-छात्राओं की सकुशल वापसी के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए छात्रों को वापस लाने के लिए बसें रवाना कर दी हैं। विधायक विकास उपाध्याय ने मुख्यमंत्री के इस नेक पहल के लिए उनका आभार जताया है। रायपुर पश्चिम के विधायक विकास उपाध्याय ने बताया कि कोटा-राजस्थान में लॉकडाउन की वजह से फंसे हुए छात्र-छात्राओं को सुरक्षित छत्तीसगढ़ लाने के लिए बसें रवाना की गई है। इसके लिए कुछ दिनों पूर्व ही प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में कंट्रोल रूम बनाया गया था। प्रदेश के कोने-कोने से छात्र-छात्राएं पढ़ाई के लिए कोटा-राजस्थान जाते हैं। इस समय भी प्रदेश के कई छात्र वहां फंसे हुए हैं। कंट्रोल रूम स्थापित कर प्रदेश के अभिभावकों, पालकों से हेल्पलाईन नंबर जार छात्रों का पूर्ण विवरण मांगा गया था। प्रदेश के कोने-कोने से पालकों ने कंट्रोल रूम में फोन कर अपने-अपने बच्चों की जानकारी साझा की थी। इसके बाद राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वयं इस पर पहल करते हुए छात्रों की सुरक्षित वापसी के लिए अफसरों को निर्देशित किया था। यह प्रयास अब जल्द ही सफल हो जाएगा। राज्य सरकार के मुखिया के निर्देश के बाद छत्तीसगढ़ के छात्रों को कोटा-राजस्थान से वापस लाने के लिए बसें रवाना है।

लॉकडाउन के दौरान कृषि कार्य से जुड़ी दुकानें खोलने की सशर्त अनुमति

» रासायनिक खाद, बीज, कीटनाशक दवा, कृषि उपकरण एवं उनके स्पेयर पार्ट्स की विभिन्न दुकानों को मिली अनुमति

» सुबह 11 से शाम 5 बजे तक विकासखण्डवार व्यवसायी खोल सकेंगे दुकान, किसानों को मिलेगी जरूरत की सामान

रायगढ़, (आरएनएस)। कलेक्टर यशवंत कुमार द्वारा रायगढ़ जिले में लॉकडाउन के दौरान रासायनिक खाद, बीज, कीटनाशक दवा, कृषि उपकरण एवं उनके स्पेयर पाट्र्स तथा उनके मरम्मत संबंधी संस्थानों को विकासखण्डवार सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक खोले जाने हेतु विभिन्न शर्तो के अधीन अनुमति प्रदान की है। आदेश के अनुसार रासायनिक खाद, बीज, कीटनाशक दवा, कृषि उपकरण एवं उनके स्पेयर पाट्र्स की दुकानें जिनमें कृषि उपकरणों में सभी प्रकार के ट्रेक्टर, पावर ट्रिलर कम्बाईन हार्बेस्टर एवं अन्य सभी कृषि उपकरण जो कृषि कार्यों में उपयोग में लाये जाते है शामिल हैं।

आदेश में कोरोना संक्रमण से रोकथाम के लिए जारी किये गए सुरक्षात्मक उपायों के अनिवार्यतः पालन करने के निर्देश भी शामिल है। जिसके तहत व्यवसायिक प्रतिष्ठान में एक समय में एक ही कृषक की उपस्थिति सुनिश्चित की जाये। प्रतिष्ठान को सेनेटाईज किया जाए, दुकान के बाहर साबुन एवं स्वच्छ पानी की व्यवस्था की जाए। प्रत्येक क्रेता हाथ धोने के उपरांत ही दुकान में प्रवेश कर सकते है। व्यवसायिक परिसर में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन ग्राहक व व्यवसायी तथा उपस्थित सभी व्यक्ति मॉस्क लगाकर ही सेवा व लेनदेन करेंगे।

अनुमति प्राप्त संस्थान

विकासखण्ड रायगढ़ अंतर्गत बंसल कृषि केन्द्र चक्रधर नगर रायगढ़, गोयल फर्टिलाईजर जूटमिल रोड रायगढ़, मांगेराम रामकुमार जूटमिल रोड रायगढ़, दिलीप कृषि केन्द्र नंदेली, न्यू कृषि वेदान्ता जूटमिल रोड रायगढ़ एवं किसान इंटरप्राईजेस जूटमिल रोड रायगढ़ शामिल है। इसी तरह विकासखण्ड खरसिया अंतर्गत संतोष ट्रेडर्स खरसिया, हरिराम सुल्तानिया खरसिया, गबेल कृषि केन्द्र गोरपार, बालाजी ट्रेडर्स खरसिया एवं किसान कृषि केन्द्र मदनपुर, विकासखण्ड धरमजयगढ़ अंतर्गत गबेल कृषि केन्द्र हाटी, चौधरी कृषि केन्द्र धरमजयगढ़, राय कृषि सेवा केन्द्र कापू, गांधी कृषि केन्द्र धरमजयगढ़ एवं मंडल कृषि केन्द्र धरमजयगढ़, विकासखण्ड लैलूंगा अंतर्गत प्रगति कृषि केन्द्र लैलूंगा, संदीप ट्रेडर्स लैलूंगा एवं तोलगे कृषि सेवा केन्द्र तोलगे, विकासखण्ड घरघोड़ा अंतर्गत पण्डा बीज भण्डार घरघोड़ा, पटेल कृषि केन्द्र नवापारा टेण्डा एवं ठाकुर कृषि सेवा केन्द्र घरघोड़ा, विकासखण्ड तमनार अंतर्गत संजू कृषि केन्द्र तमनार, गुप्ता कृषि केन्द्र बरभांठा चौक गोढ़ी एवं सुमित्रा कृषि केन्द्र मीलूपारा, विकासखण्ड पुसौर अंतर्गत ओम कृषि केन्द्र बोरोडीपा, प्रकाश ट्रेडर्स पुसौर, विकासखण्ड बरमकेला अंतर्गत हनि ट्रेडिंग कंपनी बरमकेला, राजेश कुमार अग्रवाल बरमकेला, नायक कृषि केन्द्र बरमकेला, अग्रवाल कृषि सेवा केन्द्र सरिया एवं पटेल कृषि सेवा केन्द्र सरिया, विकासखण्ड सारंगढ़ अंतर्गत नंदकिशोर अग्रवाल सारंगढ़, कृषक सेवा केन्द्र सारंगढ़, अग्रवाल कृषि सेवा केन्द्र सारंगढ़ एवं मकरू बीज भण्डार सारंगढ़ शामिल है।

कृषि यंत्र विक्रेता में

महिन्द्रा ट्रेक्टर एजेंसी रायगढ़, स्वराज ट्रेक्टर एजेंसी बाईपास रोड रायगढ़, बोतल्दा मोटर (आयशर ट्रेक्टर एजेंसी)बाईपास रोड रायगढ़ (कोसमनारा), जॉन डियर एजेंसी बाईपास रोड रायगढ़, मेसी फर्गुसन एजेंसी जगतपुर रोड रायगढ़, कोवोटा ट्रेक्टर एजेंसी छातामुड़ा चौक रायगढ़, मित्तल एग्रीकल्चर रायगढ़, दिनेश इलेक्ट्रीकल कोतरारोड रायगढ़, मित्तल ट्रेडर्स कार्मेल स्कूल रोड़ रायगढ़, आशाराम इलेक्ट्रीकल अपोजिट कार्मेल स्कूल रोड रायगढ़, बंसल ट्रेडिंग मेन हास्पीटल रायगढ़, जनरल ट्रेडिंग कंपनी रायगढ़, मुकेश इलेक्ट्रीकल्स एवं गुप्ता इलेक्ट्रीकल्स धरमजयगढ़, आशा सेल्स बरमकेला शामिल है।

कोरोना के प्रति जागरूक हुए ग्रामीण

गरियाबन्द,(आरएनएस)। कोरोना वायरस का संक्रमण से बचने के लिए आज हर ब्यक्ति हर समाज के लोग जागरूक हो गए है ,जिसके चलते गाँव का ही ब्यक्ति जो बाहर गया हो उसके वापस आने पर लोग अपनी जागरूकता दिखाते हुए उस ब्यक्ति का जांच कराने उसकी निगरानी करते नजर आ रहे है ।ऐसी ही एक घटना गरियाबन्द मुख्यालय से 3 किलोमीटर दूर पाथरेमोहन्दा में देखने को मिला ।उक्त ग्राम का निवासी एक ब्यक्ति जो 17 मार्च को अपने ससुराल बिलासपुर गया हुआ था उसी दरम्यान लाकडाउन की घोषणा होते ही सब परिवहन सेवाए बन्द कर दिया गया जिसके चलते वो ब्यक्ति वही फंसा रहा । और 24 अप्रैल शुक्रवार के सुबह मोटरसाइकिल के माध्यम से अपने निवास पाथरमोहन्दा पहुचा ।उसके पहुचते ही ग्राम के जागरूक महिला और पुरुषों ने इसकी जानकारी कोरोना के नोडल अधिकारी को दिया साथ ही स्वास्थ्य विभाग को भी उस ब्यक्ति के बिलासपुर से लौटने की जानकारी दिए ।इस जानकारी के आधार पे महिलास्वाथ्य कर्मचारी अपने टीम और ग्राम वासियों के साथ उस ब्यक्ति के घर पहुचे और इस संक्रमण बीमारी से बचाव और उसकी सुरक्षा के विषय मे उक्त ब्यक्ति को जानकारी देते हुए ,शनिवार के सुबह जिला अस्पताल पहुचकर अपना पूर्ण जांच कराने की सलाह दिये ।और ग्राम की महिला और पुरुषों से महिला स्वास्थ कर्मचारी ने अपील करते हुए कहा कि हर घण्टे साबुन से हाथ धोना बहुत जरूरी है और उन्हें छै प्रकार से हाथ धोने का तरीका भी बताया गया। वही उस ब्यक्ति के द्वारा भी अपनी जागरूकता दिखाया गया और घर के अन्य ब्यक्ति से जांच होने तक अलग रहने की बात स्वीकारी गई।

नन्हे वारियर्स का संदेश : ड्राइंग-पेंटिंग्स से लोगों में जागरूकता फैलाने में जुटे संस्कार स्कूल के बच्चे

»लॉकडाउन का पालन करते हुए घरों में पढ़ाई के साथ अपनी कला में ला रहे निखार

रायगढ़, (आरएनएस)। कोरोना वायरस का प्रभाव रोकने देश में लागू लॉकडाउन का पालन करते हुए संस्कार स्कूल के बच्चे अपने-अपने घरों में पढ़ाई करने के साथ ही इस महामारी के प्रति लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास कर रहे हैं। इन नन्हे वारियर्स ने एक से बढ़कर एक पेंटिंग्स बनाई और इसके माध्यम से कोरोना वायरस से बचाव का संदेश दिया। अपने अभिभावकों के साथ ये बच्चे न सिर्फ लॉकडाउन का पालन कर रहे हैं, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित कर रहे हैं। इन बच्चों की पेंटिंग्स में कोरोना वायरस के फैलने से लेकर उसके बचाव के लिए देश में किए गए अब तक के प्रयास को भी दर्शाया है।

संस्कार स्कूल के मार्गदर्शक रामचंद्र शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था की ओर से कोरोना संकट के कारण बच्चों की पढ़ाई जारी रखने ऑनलाइन क्लास ली जा रही है, जिसमें बच्चे अपने घरों पर ही रहकर पढ़ाई जारी रखे हुए हैं। साथ ही बच्चों के लिए सृजनात्मक व रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में कोरोना वायरस के प्रति लोगों में जागरूकता लाने पेंटिंग व ड्राइंग काम्पीटिशन का ऑनलाइन आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साह से हिस्सा लिया। बच्चों ने अपनी पेंटिंग में कोरोना वायरस के फैलाव के साथ ही इससे बचने के उपाय भी बताए हैं। पेंटिंग के साथ आकर्षक स्लोगन भी लिखे गए हैं, जिसमें लॉकडाउन का पालन करने, स्टे होम, सेफ लाइफ, मास्क पहनने की सलाह दी गई। इसी तरह कोरोना के लक्षण बताते हुए इस प्रकार की किसी भी शिकायत पर तुरंत डॉक्टर के पास जाने की बात भी बच्चों ने अपने पेंटिंग में लिखी है।

बच्चों को है पूरी जानकारी, दिखाई पूरे विश्व की स्थिति

कोरोना संक्रमण संकट के काल में राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता लोगों को राहत पहुंचाना : राजस्व मंत्री

रायपुर, (आरएनएस)। प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा है कि कोरोना संक्रमण संकट के काल में राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता लोगों को राहत पहुंचाना है। अग्रवाल आज मीडिया प्रतिनिधियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चर्चा की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में कोरोना महामारी को नियंत्रित करने में छत्तीसगढ़ सफल रहा है। छत्तीसगढ़ के कोरोना प्रबंधन को रिजर्व बैंक के गवर्नर सहित पूरे देश में सराहना मिल रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा त्वरित निर्णय लिए गए। राज्य में कोरोना पाजिटिव का पहला केस मिलते ही रायपुर में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि कोरोना नियंत्रण और रोकथाम के लिए किए गए देशव्यापी लॉकडाउन से प्रभावित लोगों के लिए राज्य के सभी जिलों में शिविर लगाकर उन्हें राहत पहुंचाई गई।

अग्रवाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 466 अस्थाई राहत शिविरों में 9 हजार 904 व्यक्तियों को रखा गया है। इसी तरह एनजीओ द्वारा 36 राहत शिविरों में 472 व्यक्तियों को ठहराकर उनके लिए भोजन और अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई। जिला प्रशासन की ओर से प्रतिदिन करीब एक लाख लोगों की भोजन की व्यवस्था कराई जा रही है। इसी तरह प्रदेश की औद्योगिक इकाईयों द्वारा 31 हजार 484 मजदूरों को अस्थाई आवास की व्यवस्था कर उनके भोजन आदि की व्यवस्था की जा रही है।

आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बताया कि आपदा प्रबंधन के तहत विभाग ने नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के बचाव एवं राहत कार्य के लिए भारत सरकार गृह मंत्रालय के निर्देश के अनुसार राज्य आपदा मोचन निधि के मद एवं मापदंडों में सम्मिलित करते हुए सैंपल कलेक्ट करने एवं प्रभावित व्यक्तियों को आईसोलेशन किए जाने के लिए राज्य आपदा मोचन निधि की प्रावधान राशि का 25 प्रतिशत एवं उपकरण तथा प्रयोगशाला स्थापित करने हेतु 10 प्रतिशत व्यय किए जाने की स्वीकृति स्वास्थ्य विभाग को प्रदान की गई है।

विभाग द्वारा मार्च 2020 में 15 करोड़ रूपए स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराया गया है।

सरपंच के आत्महत्या की ख़बर त्रासद : कौशिक

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने दुर्ग जिले की अमेरी ग्राम पंचायत के सरपंच आशीष चंद्राकर के आत्महत्या को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। कौशिक ने सरपंच की आत्महत्या पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

कौशिक ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू के जिले में ही पंचायती राज व्यवस्था को सवालों के दायरे में लाने वाली यह घटना प्रदेश सरकार के लिए आत्म-मूल्यांकन करने की जरूरत पर बल देती है।

प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने कहा कि प्रथमदृष्टया यह मामला भ्रष्टाचार और उससे जुड़ी प्रताड़ना को इंगित करने वाला है। ऐन सरपंच दिवस के दिन सामने आए सरपंच के इस आत्महत्या-प्रकरण ने प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर गम्भीर सवाल खड़े किए हैं। कौशिक ने कहा कि मुख्यमंत्री को इस मामले के सभी पहलुओं को खंगालकर तथ्यों की पड़ताल कराना चाहिए। कौशिक ने मृतक पीड़ित परिवार के लिए सहायता राशि की मांग की है।

कौशिक ने कहा कि प्रदेश भाजपा का त्रि-सदस्यीय जाँच दल इस दुखद घटना की जांच कर रिपोर्ट पार्टी को सौपेगी।

मुख्यमंत्री ने पाक रमजान माह के शुभारंभ पर जनता को दी मुबारकबाद

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पाक माह रमजान के शुभारंभ के अवसर पर मुस्लिम समाज सहित आम जनता को मुबारकबाद दी है। बघेल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि रमजान नेकियों, रहमतों और बरकतों का महीना है। यह महीना जहां देश और दुनिया के लिए प्यार एवं भाईचारे का पैगाम लेकर आता है, वहीं यह हमें आत्म अनुशासन से जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि इस वर्ष यह पाक महीना कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन की मुश्किल घड़ी में शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा है कि समस्त मानव जाति के लिए प्रेम, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम लेकर आने वाले इस महीने में हम सब मिलकर देश-प्रदेश की खुशहाली की दुआ करें। मुख्यमंत्री ने कहा है कि रमजान का यह महीना प्यार, भाईचारा, रहमत और बरकत लेकर आए। उन्होंने अपील की है कि कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए सभी घर पर ही रहे और सुरक्षित रहें। संकट के इस समय में लॉकडाउन और फिजिकल डिस्टेसिंग का पालन करते हुए रमजान के महीने की इबादतें भी अपने-अपने घर में ही करें।

छूट के बाद खुली दुकानें, लोगों को प्रशासन ने दी राहत

महासमुंद, (आरएनएस)। लॉकडाउन के दूसरे चरण में गुरुवार को जिला प्रशासन की ओर से दी गई छूट के बाद शहर में इलेक्ट्रॉनिक, मोबाइल, बेकरी, स्टेशनरी की दुकानें खुलने से लोगों ने राहत की सांस ली। दुकान खुलते ही लोगों ने गर्मी से बचने के लिए कूलर, पंखे की खरीदी की। दुकानों में इन सामानों की खरीदी के लिए लोग पहुंचते रहे। इसके अलावा बेकरी, स्टेशनरी, मोबाइल दुकानों में भी ग्राहक पहुंचते रहे। बता दें कि ग्रीन जिलों को सरकार की ओर से छूट दिए जाने के निर्णय लिए जाने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग से छूट के लिए आदेश जारी किया है। इसमें जरूरी सेवाओं के अलावा उन दुकानों को खोलने की अनुमति दी गई है जो वर्तमान में नागरिक हित में जरूरी है। दुकानदारों में असमंजस की स्थिति प्रशासन की छूट के बाद शहर के कई दुकानदारों में असमंजस की स्थिति रही। दुकान खोलने के लिए पहुंचे कुछ व्यापारी प्रशासनिक अफसरों से संपर्क कर जानकारी लेते रहे। कुछ दुकानदारों ने दुकान खोलने के बाद कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद अपनी दुकानें बंद कर घर चले गए जबकि कुछ दूसरे व्यापारियों से संपर्क कर दुकान खोलने के लिए सलाह मांगते रहे।

मुख्यमंत्री सहायता कोष में छग मरार समाज ने दिया एक लाख की सहयोग राशि

रायपुर, (आरएनएस)। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं नियंत्रण के लिए राज्य प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, इसके लिए देश एवं प्रदेश में धारा-144(1) लागू की गई है, साथ ही लॉकडाउन भी किया गया है। ऐसे आपात स्थिति में जरूरतमंद लोगों के लिए मदद करने वैश्विक संक्रमण को देखते हुए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा सहयोग के आह्वान पर छत्तीसगढ़ प्रदेश (को.) मरार पटेल समाज द्वारा भी मानवता की सहायता हेतु अपने मानवीय जिम्मेदारी को समझते हुए सहर्ष आर्थिक सहयोग हेतु आगे आए। छत्तीसगढ़ प्रदेश (को.) मरार पटेल समाज की ओर से करोना पीड़ितों के सहायतार्थ मुख्यमंत्री सहायता कोष एवं पीएम केयर फंड के लिए कलेक्टर रायपुर डॉ. एस. भारतीदासन को मुख्यमंत्री राहत कोष में 1 लाख 1 हजार रुपए और पीएम केयर फंड में 51 हजार रुपए की राशि प्रदान की गई। प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र नायक, कर्मचारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष लीलार सिंह पटेल, बिन्दु राम पटेल और नंदकुमार पटेल ने समस्त समाज के दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किये है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र नायक पटेल, सलाहकार नंदकुमार पटेल, डिप्टी कलेक्टर जागेश्वर कौशल, संरक्षक टी.आर. पटेल, तहसील अध्यक्ष ईश्वर पटेल और आईटी प्रकोष्ठ कुमार पटेल उपस्थित थे।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुछ सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐक्ता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य क्षेत्र में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूल विरासत पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU